डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 228 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 04 जून 2025 | मूल्य 2 रुपया

शामगढ़ सरकारी अस्पताल को मिली एंबुलेंस

पिता की स्मृति में बेटे ने किया 08 लाख का दान

शामगढ़, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर के सरकारी अस्पताल को एक नई एंबुलेंस मिली है। समाजसेवी संजय दायमा ने अपने पिता स्वर्गीय राजू भाई दायमा (बंजारा) की स्मृति में यह एंबुलेंस दान की है। जिसकी कीमत 8 लाख रुपए बताई जा रही है। संजय दायमा और उनके भाई मनीष दायमा ने एंबुलेंस की चाबी रोगी कल्याण समिति को सौंपी। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष और क्षेत्रीय विधायक हरदीप सिंह डंग तथा ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर मनीष दानगढ़ ने चाबी प्राप्त की। यह एंबुलेंस रोगी कल्याण समिति शामगढ के नियंत्रण में रहेगी। यह आकस्मिक दुर्घटनाओं में क्षेत्र के मरीजों की सेवा के लिए उपलब्ध रहेगी। दायमा बंधु शामगढ़ के ग्राम पिछला खेड़ी के निवासी हैं। इस दौरान विधायक और बीएमओ ने दोनों भाइयों को शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही बंजारा समुदाय के इष्ट देवता रूप सिंह महाराज और मां महिषासुर मर्दिनी माता की तस्वीर के साथ आभार पत्र भी दिया।

पानी बचाने में पीछे, उपयोग में अव्वल

भू जलस्तर का शत प्रतिशत से अधिक उपयोग करने वाला जिला मंदसौर

बूंदों को सहजने में नाकाम, कागजों में हो रहे प्रयास

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिला भू जलस्तर दोहन के मामले में अव्व्ल है। शत प्रतिशत से ज्यादा भू जलस्तर का उपयोग हम कर रहे है। जल संसाधन विभाग की मप्र के डायनामिक भूजल संसाधन रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। प्रदेश में सिर्फ छह जिले है। जहां शत प्रतिशत से अधिक भू जलस्तर दोहन हो रहा है। उसमें मंदसौर भी शामिल है। इसके विपरित अगर भू जलस्तर बचाने के प्रयासों की बात करें तो मंदसौर काफी पिछे हैं। कागजों में भू जलस्तर बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। जबकि, पिछले दो दशकों पर नजर डाले तो भू जलस्तर में तेजी से गिरावट हुई है। सरल शब्दों में समझें तो यहां पानी 100 फीसदी क्षमता से ज्यादा दोहित हो रहा है। इसका कारण है जिम्मेदारों की लापरवाही।

यहां हम बात कर रहे है वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की। भवन पर लगाने के लिए नियम तो लागू कर दिया गया। लेकिन, जिले में यह सिस्टम कहीं नजर नहीं आता। आम लोगों के निजी और व्यवसायीक भवन में इस सिस्टम के लगे होने की उम्मीद करना तब बेमानी लगता है, जब जिला मुख्यालय के जवाबदार अधिकारियों के दफ्तरों में ही यह सिस्टम नहीं है। पूरे शहर को वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के आधार पर निर्माण अनुमति देने वाली नपा के खुद अपने भवन में यह नहीं है तो जिला पंचायत से लेकर जिला चिकित्सालय के अलावा जलसंसाधन व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी से लेकर अन्य तमाम सरकारी महकमें के भवनों के हाल इस मामले में एक से है। जल संसाधन से लेकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी व मंडी से लेकर कलेक्ट्रेट तक में यह सिस्टम कहीं नहीं दिख रहा है। जब जिला मुख्यालय के यह हालात है तो अनुविभाग व समूचे जिले में इस नियम का पालन तो दूर की बात है। बारिश के दौर में सरकारी से लेकर प्रशासन द्वारा बड़े स्तर पर जलसंरक्षण के लिए अभियान चलाने से लेकर बड़े दावे किए जाते है। लेकिन, हकीकत में हालात ठीक विपरीत है। भूजल के लिए जो सिस्टम भवन निर्माण के साथ बनाना जरुरी किया गया है, वह सिस्टम ही निजी तो ठीक किसी भी सरकारी विभाग के भवन में नहीं है।

अनुमति में जरुरी, लेकिन लगता कही पर भी नहीं...

भवन निर्माण और बड़ी तथा व्यवसायीक इमारतों में भी वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य किया गया है। यह बारिश के पानी को सहेजने के लिए जरुरी है। लेकिन, शहर से लेकर पूरे जिले में कही पर भी जल संरक्षण के लिए यह हार्वेस्टिंग नहीं लगा हुआ है। सरकारी भवनों में भी नहीं है तो आम लोगों तथा बाजार की इमारतों में लगना तो दूर है। जिन पर शहर की जवाबदारी है, उसी सरकारी तंत्र में बैठे जवाबदारों ने अपने भवनों में भी कभी वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लगाना ही उचित नहीं समझा तो आम जनता से यह सिस्टम लगवाना बेमानी होगा। प्रशासनिक से लेकर जनप्रतिनिधि और शासन स्तर पर अनेक समीक्षा बैठकों का दौर निरंतर चलता रहता है। लेकिन, इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। इसी का नतीजा है कि सरकारी भवन से लेकर निजी भवन और बड़ी इमारतें तो धड़ल्ले से बनती जा रही है। लेकिन, कहीं पर भी यह सिस्टम नजर नहीं आ रहा है।

दो करोड़ लीटर पानी हो सकता है संग्रहित...

जिले में सभी शासकीय भवनों पर ही सिस्टम लग जाए तो हर साल बारिश का दो करोड़ लीटर से अधिक पानी सीधे धरती में संग्रहित किया जा सकता है। जानकारी के अनुसार 750 वर्गफीट की एक छत से 30 इंच बरसात में करीब 54 हजार लीटर पानी जमीन में उतारा जा सकता है। ऐसे में जिले की 440 ग्राम पंचायत और शासकीय भवनों पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया जाता है तो हर साल होने वाली बारिश में 2.37 करोड़ लीटर पानी जमीन में उतारा जा सकता है।

हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लक्ष्य के साथ ही सभी शासकीय भवन, स्कूल और आंगनबाड़ी केन्द्र के भवनों में सिस्टम लगाना तय किया गया। लेकिन, किसी ने निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया। अभी तक जिले भर में 50 फीसदी से ज्यादा पंचायत भवनों पर ही वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं लग पाए हैं। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो अधिकांश शासकीय भवनों, आंगनबाडी भवनों और नगर परिषदों में भी सिस्टम कागजों में ही लगे है। हकीकत में बारिश का पानी सहेजने की बजाय हर साल व्यर्थ बह रहा है।

ग्राउंड वॉटर रिचार्ज पर फोकस करें लोग...

प्रदेश के कई जिलों में भूजल की स्थिति चिंताजनक है। लोग फार्म हाउस और खेतों में ट्यूबवेल से 4-5 फीट दूर पांच फीट का गड्ढा खोदकर उसमें बजरी, ईट आदि डलवाएं। इससे ग्राउंड वॉटर रिचार्ज होगा। अभी सही समय है।

संजय जोधपुरकर, सहायक भूजलविद्, जल संसाधन विभाग

कागजों में चले अभियान...

जिले में वर्ष 2016 में ग्राम उदय से भारत उदय अभियान और फिर 2018 में जल शक्ति अभियान के तहत जल संग्रहण पर जोर दिया गया था। जिले के 440 पंचायत भवनों पर वाटर

जिसे देखा, उसका शिकार कर रहे बदमाश

फिर एक मकान से ले गए सोने-चांदी के जेवरात, पुलिस के हाथ खाली, वारदात कर आराम से घूम रहे चोर

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर की लाईफ लाईन कहे जाने वाले डॉ व्हीएस मिश्र के घर चोरी हो या फतेहगढ़ में हुई चालीस लाख रुपए की या अन्य जगहों पर चोरी की बड़ी वारदातें, अधिकांश मामलों में पुलिस के हाथ खाली है। अमीर या गरीब किसी को चोर नहीं छोड़ रहे। एक बार फिर ऋषियानंद नगर में चोरों ने केंद्रीय विद्यालय में काम करने वाले कर्मचारी के यहां चोरी की वारदात के अंजाम दिया। शहर के केंद्रीय विद्यालय में दिनेश बुगले छोटी से नौकरी करने वाले के घर ऋषियाननद नगर 500 क्वार्टर मे बीती रात सोमवार को बदमाशो द्वारा ताला तोडक़र चोरी की गई। परिवार के द्वारा बताया गया कि 30 से 35 हजार की सोने चांदी की रकम चोरी हुई है एवं घर के अंदर नुकसान चोरी हुई थी। यह मामला भी केवल एफआईआर तक सीमित है। ऐसे एक नहीं कई मामले हैं। जिनमें जांच एफआईआर से शुरु होकर एफआईआर तक सीमित हो जाती है। आमजन की गाडी कमाई चोर चोरी कर ले जाते है। ऐसे में कई मामलों में पीड़ित थानों से लेकर आलाअधिकारियों के चक्कर लगाते रहते हैं। ऐसे में उनको सभी आश्वासन देकर इतिश्री कर लेते हैं।

ताजा चोरियों में भी पुलिस के हाथ खाली...

✻ शहर के बीचोंबीच और पुलिस कंट्रोल रुम से करीब 80 मीटर दूरी पर स्थित डॉ विजयशंकर मिश्र का घर है। यहां पर 31 मई की रात को चोर घुसे। सुबह पुलिस मौके पर पहुंची। मामला भी दर्ज किया। लेकिन, अब तक स्थिति जस की तस है। ✻ 25 मई को मल्हारगढ़ निवासी डॉ सुनील रत्नावत के सूने घर में अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात की। चोर यहां से 04 लाख रुपए नगदी ओर 20 लाख के जेवरात चोरी कर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज किया लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला। ✻ फतेहगढ में 15 दिन पहले करीब 40 लाख रुपए की बड़ी चोरी हुई थी। इस मामले में पुलिस को अब तक कोई सुराग नहीं मिला है।

जांच एफआईआर तक सीमित...

चोरियों को लेकर पुलिस गंभीर नहीं है। कई बड़ी चोरियां में पुलिस को अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। इसमें डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के बहनोई के यहां गरोठ में करीब ढाई साल पहले किया गया। वायडी नगर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की है।

2 वाहनों से 60 किलो डोडाचूरा जप्त, दो गिरफ्तार

नाहरगढ़, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने कार व पिकअप वाहन से 60 किलो डोडाचूरा बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक नाहरगढ पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली की दो व्यक्ति कार में डोडाचूरा लेकर पिकअप में लोड कर बाहर भेजने वाले है। सूचना पर पुलिस ने कार (आरजे 35 यूए 1916) को कोटडा बहादूर व कोटडामाता के बीच गौशाला के पास रोका, तलाशी के दौरान कार से 2 कट्टों में भरा 40 किलो डोडाचूरा व व पिकअप (आरजे 22 जीबी 1946) में एक कट्टे में भरा 20 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। मामले में पुलिस ने कोटडा बहादूर निवासी धर्मेन्द्रसिंह पिता पप्पूसिंह राजपूत व भीमनी (राजस्थान) निवासी बहादूरसिंह उर्फ बादरसिंह पिता भंवरसिंह सौंधिया राजपूत को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया। पिकअप व डोडाचूरा जप्ती में लिया।

दो बालिकाओं को उज्जैन से दस्तयाब किया

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने घर से लापता हुइ दो नाबालिग बालिकाओं को दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की है। वायडी नगर पुलिस ने बताया कि 02 जून को ग्राम ढिकोला से दो बालिकाओं की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। जिसके बाद पुलिस ने अलग-अलग मामलों में प्रकरण दर्ज किया। एक साथ एक ही समाज की 02 बालिकाओ का अपहरण होना एक संदेहास्पद घटना थी। जिससे गांव के सभी लोग भयभीत थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारी भी परिजनो से रूबरू होकर थाना प्रभारी इंचार्ज उनि विनय बुंदेला द्वारा थाना स्तर पर उनि कपिल सौराष्ट्रीय व हरिकिशन चौधरी के नेतृत्व मे 02 टीमो का गठन किया गया।

पुलिस टीमो द्वारा तकनीकी माध्यम एवं सायबर सेल की मदद से बालिकाओ को खोजने का कार्य प्रारंभ किया गया। एक टीम द्वारा घटना स्थल के आस पास रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड, कन्ट्रोल रूम आदि जगहो पर लगे सीसीटीव्ही कैमरो को खंगाला गया। मिली जानकारी अनुसार द्वितीय टीम को जिला उज्जैन में बालिकाओ की तलाश हेतु रवाना किया गया। पुलिस एवं आम जन की सतर्कता तथा त्वरित कार्यवाही से दोनो नाबालिग बालिकाओ को उज्जैन से सकुशल दस्तयाब किया गया। दोनो को परिजनो के सुपूर्द किया गया। बालिकाओ की सकुशल दस्तयाबी से परिजनो द्वारा वरिष्ठ अधिकारी का आभार व्यक्त किया गया।

आठ हजार के फेर में फंसा पटवारी

जमीन नक्शा बंटवारा के लिए मांगी थी रिश्वत, लोकायुक्त ने पकड़ा

उज्जैन, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। लोकायुक्त टीम ने मंगलवार दोपहर रतलाम ग्रामीण तहसील कार्यालय में पटवारी को 08 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी पटवारी यशवर्धन शर्मा ने एक बीघा जमीन के नक्शा बंटवारे के बदले 25 हजार रुपए की मांग की थी। जिसकी शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। पटवारी 02 हजार रुपए पहले ले चुका था। बाकी के 08 हजार रुपए लेते समय टीम ने उसे मीटिंग हॉल में दबोच लिया। टीम ने आरोपी पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 07 के तहत एफआईआर दर्ज की है। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की जा रही है। कार्रवाई में डीएसपी राजेश पाठक, इंस्पेक्टर दीपक शेजवार, कॉन्स्टेबल अनिल अटोलिया, इसरार खान और उमेश जाटव शामिल रहे।

आठ दिन से रख रहे थे नजर...

लोकायुक्त इंस्पेक्टर दीपक शेजवार के अनुसार, रोजका निवासी जितेंद्रसिंह चावड़ा ने शिकायत की थी कि उसने अपने रिश्तेदार को जमीन दिलाई थी। जिसमें बंटाकन कराना था। इसके लिए पटवारी यशवर्धन शर्मा ने 25 हजार रुपए मांगे थे। 23 मई को उज्जैन लोकायुक्त एसपी को शिकायत की गई। जांच में

आरोप सही पाए जाने के बाद प्लान के अनुसार आरोपी को पकड़ने की तैयारी की गई।

मीटिंग हॉल में दी रिश्वत, लोकायुक्त ने दबोचा...

मंगलवार दोपहर शिकायतकर्ता नकली ग्राहक बनकर तहसील कार्यालय के मीटिंग हॉल पहुंचा, जहां पटवारी बैठा था। उसने इशारे से 08 हजार रुपए अपनी शर्ट की जेब में रखवाए और फिर हाथ में ले लिए। तभी पहले से मौजूद लोकायुक्त टीम ने दबिश देकर आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया।

तहसीलदार को जाता है पैसा-शिकायतकर्ता

शिकायतकर्ता का कहना है कि पटवारी बीते 08 दिनों से टालमटोल कर रहा था। मंगलवार को पैसे लेने बुलाया और खुद कहा कि नक्शा बंटवारे के पैसे तहसीलदार को देने पड़ते हैं। उसने पहले 02 हजार रुपए ले लिए थे, फिर शेष 08 हजार रुपए लेने आया और पकड़ा गया।

हटाया अतिक्रमण-सीएम हेल्पलाइन की शिकायत के बाद मंदसौर बीपीएल चौराहा से अस्थाई अतिक्रमण हटाया गया।

अब डिगांव शराब दुकान पर मारपीट

तीन- चार जन घायल, बेबस आबकारी विभाग..!

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। धार्मिक नगरी होने से मंदसौर शहर से शराब दुकाने बंद होने के बाद शहर के आसपास की दुकाने कई किलोमीटर तक शहर के करीब कर दी गई हैं। जिससे आये दिन शराब दुकानों को लेकर विवाद सामने आ रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा ख़राब भूमिका आबकारी विभाग की बताई जा रही हैं। विभाग दद्वारा कई किलोमीटर तक शराब दुकाने शहर के पास ला दी गई हैं। इसी कारण ज्यादा विवाद हो रहे हैं। मंगलवार को एक बार फिर डिगाव चौपाटी शराब दुकान को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि शराब को लेकर स्थानीय कुछ लोग और शराब दुकान कर्मचारियों के बीच विवाद के बाद मारपीट हुईश्र जिसमें तीन- चार जन घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अफजलपुर थाना क्षेत्र के डिगांव चौपाटी पर शराब दुकान कर्मचारी और कुछ लोगों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी के बाद नौबत मारपीट तक आ गई। इस दौरान दिगराज सिंह पिता माधव सिंह के सिर में गंभीर चोट आई। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके अलावा भी एक दो अन्य लोगों को चोट आई है। बताया जाता है कि क्षेत्र में कच्ची शराब का अवैध धंधा भी जमकर फल फूल रहा है। लेकिन आबकारी विभाग के कारिंदे मुंह ढक कर सो रहे हैं। यही कारण है कि लाइसेंसी शराब और कच्ची शराब को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है। फिलहाल मामले में पुलिस जांच कर रही है।

अंचल में सुबह से बारिश

दिनभर छाए रहे बादल, रोहिणी समाप्त होते ही मौसम में हुआ परिवर्तन

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। ज्येष्ठ अर्थात जेठ माह में होने वाली रोहिणी यानी नौतपा सोमवार को समाप्त हुआ। इसके साथ ही मंगलवार को मौसम पूरी तरह से बदल गया। सुबह अंचल में कई जगहों पर हुई बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। अंचल के अलावा आसपास के जिलों में भी अच्छी खासी बारिश हुई। इसके साथ ही दिनभर बादल छाए रहे। मंगलवार को गरमी का असर काफी कम हो गया।

शहर सहित आसपास के इलाके में मंगलवार सुबह से तेज बारिश होती रही। सुबह 10 बजे शुरू हुआ बारिश का सिलसिला लगातार जारी रहा। कहीं आधे घंटे तो कहीं इससे ज्यादा समय तक चला। मंदसौर में 10 दिनों के बाद मौसम ने करवट ली है। इस दौरान शहर समेत पूरे जिले में भीषण गर्मी थी। मंगलवार सुबह बादलों ने रुख बदला

और बारिश ने दस्तक दी। बारिश से गर्मी का असर काफी हद तक कम हो गया। कई स्थानों पर तेज हवाएं भी चलती रही। सीतामऊ, पिपलिया मंडी, मल्हारगढ़, अफजलपुर और दलौदा समेत आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी बादलों की आवाजाही बनी रही।

मौसम विशेषज्ञ डॉ. जीडी मिश्रा के अनुसार रोहिणी अर्थात नौतपा के दौरान 07 दिन औसतन 08 घंटे तक बादल छाए रहे। जिससे कुल 56 घंटे बादलों की मौजूदगी रही। सीबी क्लाउड बनने की वजह से 09 दिनों में कुल 41 मिनट तेज आंधी चली।

अधिकतम तापमान 38 और न्यूनतम 27 डिग्री दर्ज...

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में मंदसौर में बारिश और तेज हवाएं देखने को मिल सकती हैं। फिलहाल उमस और गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम ही बताई जा रही है। मंदसौर में बीते चार दिनों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

जावद में दो घंटे की झमाझम बारिश से नदी-नाले उफने...

नीमच जिले में भी बारिश का दौर चला। यहां जावद और आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार सुबह तेज बारिश हुई। सुबह 7 बजे शुरू हुई बारिश लगातार दो घंटे तक जारी रही। नगर में तेज बारिश से नदी-नालों में पानी बहने लगा। सुबह 9:30 बजे के बाद जावद नगर में फिर हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई। ठंडी हवाओं और बादलों ने मौसम का मिजाज बदला। अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जावद के साथ रतनगढ़, मोरवन और आस-पास के क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश हुई। खेतों में नमी बढ़ने से किसानों को खरीफ फसलों की बुआई की उम्मीद जगी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक बादल छाए रहेंगे। ठंडी हवाएं चलेंगी और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। उमस में भी कमी आई है। बारिश से नौतपा की गर्मी का असर कम हुआ है। मौसम के इसी मिजाज के साथ आने वाले दिनों में मानसून के समय पर सक्रिय होने की उम्मीद है।

विचार-मंथन

मणिपुर में शांति बहाली का प्रयास जारी

मणिपुर में लंबे समय से शांति बहाली के प्रयास चल रहे हैं। वहां करीब दो वर्ष पहले मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव की शुरूआत के बाद हालात इस कदर बिगड़ गए कि उसे संभाल पाना राज्य की तत्कालीन सरकार के लिए संभव नहीं हुआ और इसी वजह से पूर्व मुख्यमंत्री एस बीरेन सिंह को आखिर इस्तीफा देना पड़ा। पिछले तीन महीने से वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। यों हिंसा और संघर्ष पर काबू पाने में नाकामी की वजह से पहले से ही वहां राष्ट्रपति शासन की मांग हो रही थी।विडंबना यह है कि आज भी मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव को खत्म करना और सर्वसम्मति से समाधान तक पहुंचना मुमकिन नहीं हो सका है। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि वहां नई सरकार के गठन के लिए जो कवायद शुरू हुई है और किन्हीं हालात में यह संभव हो पाता है, तो क्या इससे मणिपुर की मौजूदा समस्या का कोई ठोस हल निकल सकेगा और क्या वहां हिंसा और टकराव का दौर खत्म हो पाएगा।गौरतलब है कि मणिपुर में राजग के दस विधायकों ने राज्यपाल से मुलाकात कर चौवालीस विधायकों के समर्थन का हवाला देते हुए सरकार गठन की मांग की है। विधायकों के इस समूह ने सरकार गठन को जनता की इच्छा बताया। लेकिन अगर इन विधायकों के साथ कुकी समुदाय के दस विधायक नहीं हैं, तो ऐसे में इस समूह के पास राज्य की सबसे मुख्य समस्या से पार पाने के लिए क्या योजना और दृष्टि है।राज्य में नई सरकार बनाने के पक्ष में भाजपा सहित राजग के कई विधायक जरूर हैं, लेकिन भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व अब भी सरकार के बनाने के दावों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। वहीं केंद्र सरकार की ओर से मणिपुर में निकट भविष्य में राष्ट्रपति शासन नहीं हटाने की भी खबर आई है। ऐसे में नई सरकार के गठन की मांग के धरातल पर उतरने की उम्मीद फिलहाल आगे की बात लगती है। इसके बावजूद यह सच है कि मणिपुर में शांति बहाली और सामुदायिक टकराव के कारणों को दूर कर दूरगामी हल निकलना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए ही संभव है।हालांकि मणिपुर में नई सरकार के गठन को लेकर चाहे जो भी कोशिशें चल रही हों, लेकिन फिलहाल सबसे जरूरी यह है कि वहां आम जनजीवन जिस अस्थिरता और आए दिन हिंसक सामुदायिक टकराव से दो-चार है, उसका कोई ठोस समाधान निकाला जाए। मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर दो वर्ष पहले जिस हिंसा की शुरूआत हुई थी, उसमें अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं। आज भी आए दिन गोलीबारी या हिंसक घटनाओं की खबरें आती रहती हैं।हैरानी की बात यह है कि राज्य से लेकर केंद्र सरकार के तमाम प्रयासों और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के दखल के बावजूद कोई सार्थक नतीजा नहीं निकला। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच ऐसी खाई बन गई है, जिसे पाटे बिना किसी दीर्घकालिक हल तक नहीं पहुंचा जा सकता। मगर दोनों समुदायों में परस्पर विश्वास बहाली को लेकर ऐसा कुछ भी नहीं किया गया, जो संवाद का कोई सार्थक पुल तैयार करे और बातचीत के जरिए समस्या का समाधान निकालने की कोशिश हो। आज भी अगर मणिपुर का आम जनजीवन अस्थिर है, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है? जाहिर है।

'देशहित' से ही बचेगी पत्रकारिता की साख

(लोकेन्द्र सिंह राजपूत)

ऐसे ही कुछ तथाकथित विद्वानों ने यह भ्रम भी पैदा कर दिया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पत्रकारिता की भूमिका विपक्ष की है। जिस प्रकार विपक्ष ने हंगामा करने और प्रश्न उछालकर भाग खड़े होने को ही अपना कर्तव्य समझ लिया है, ठीक उसी प्रकार कुछ पत्रकारों ने भी सनसनी पैदा करना ही पत्रकारिता का धर्म समझ लिया है। लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की विराट भूमिका से हटाकर न जाने क्यों पत्रकारिता को हंगामाखेज विपक्ष बनाने का प्रयत्न किया जा रहा है? यह अवश्य है कि लोकतंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए चारों स्तम्भों को परस्पर एक-दूसरे की निगरानी करनी है।

पत्रकारिता का केवल एक ही पक्ष होना चाहिए- देशहित। कलम का जनता के पक्ष और देशहित में चलना ही उसकी सार्थकता है। पत्रकारिता में हमें जरूर ध्यान रखना चाहिए कि हमारे शब्दों एवं प्रश्नों से राष्ट्र की प्रतिष्ठा पर आँच न आए। 'हिंदुस्थानियों के हित के हेत' इस उद्देश्य के साथ 30 मई, 1826 को भारत में हिंदी पत्रकारिता की नींव रखी जाती है। पत्रकारिता के अधिष्ठाता देवर्षि नारद के जयंती प्रसंग (वैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया) पर हिंदी के पहले समाचार-पत्र 'उदंत मार्तंड' का प्रकाशन होता है। इस सुअवसर पर हिंदी पत्रकारिता का सूत्रपात होने पर संपादक पंडित युगलकिशोर समाचार-पत्र के पहले ही पृष्ठ पर अपनी प्रसन्नता प्रकट करते हुए उदंत मार्तंड का उद्देश्य स्पष्ट करते हैं। आज की तरह लाभ कमाना उस समय की पत्रकारिता का उद्देश्य नहीं था। भारत की स्वतंत्रता से पूर्व प्रकाशित ज्यादातर समाचार-पत्र आजादी के आंदोलन के माध्यम बने। अंग्रेज सरकार के विरुद्ध मुखर रहे। यही रुख उदंत मार्तंड ने अपनाया। अत्यंत कठिनाईयों के बाद भी पंडित युगलकिशोर उदंत मार्तंड का प्रकाशन करते रहे। किंतु, यह संघर्ष लंबा नहीं चला। हिंदी पत्रकारिता के इस बीज की आयु 79 अंक और लगभग डेढ़ वर्ष रही। इस बीज की जीवटता से प्रेरणा लेकर बाद में हिंदी के अन्य समाचार-पत्र प्रारंभ हुए। आज भारत में हिंदी के समाचार-पत्र सबसे अधिक पढ़े जा रहे हैं। प्रसार संख्या की दृष्टि से शीर्ष पर हिंदी के समाचार-पत्र ही हैं। किंतु, आज हिंदी पत्रकारिता में वह बात नहीं रह गई, जो उदंत मार्तंड में थी। संघर्ष और साहस की कमी कहीं न कहीं दिखाई देती है। दरअसल, उदंत मार्तंड के घोषित उद्देश्य 'हिंदुस्थानियों के हित के हेत' का अभाव आज की हिंदी पत्रकारिता में दिखाई दे रहा है। हालाँकि, यह भाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन बाजार के बोझ तले दब गया है। व्यक्तिगत तौर पर मैं मानता हूँ कि जब तक अंश मात्र भी 'देशहित' पत्रकारिता की प्राथमिकता में है, तब तक ही पत्रकारिता जीवित है। आवश्यकता है कि प्राथमिकता में यह भाव पुष्ट हो, उसकी मात्रा बढ़े। समय आ गया है कि एक बार हम अपनी पत्रकारीय यात्रा का सिंहावलोकन करें। अपनी पत्रकारिता की प्राथमिकताओं को जरा टटोलें। समय के थपेड़ों के साथ आई विषंगतियों को दूर करें। समाचार-पत्रों या कहें पूरी पत्रकारिता को अपना अस्तित्व बचाना है, तब उदंत मार्तंड के उद्देश्य को आज फिर से अपनाना होगा। अन्यथा सूचना के डिजिटल माध्यम बढ़ने से समूची पत्रकारिता पर अप्रासंगिक होने का खतरा मंडरा ही रहा है। असल में आज की पत्रकारिता के समक्ष अनेक प्रकार की चुनौतियां मुंहबाए खड़ी हैं। यह चुनौतियां पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से डिगने के कारण उत्पन्न हुई हैं। पूर्वजों ने जो सिद्धांत और मूल्य स्थापित किए थे, उनको साथ लेकर पत्रकारिता मिशन से प्रोफेशन की ओर जाती, तब संभवत- कम समस्याएं आतीं। क्योंकि मूल्यों और सिद्धांतों की उपस्थिति में प्रत्येक व्यवसाय में मर्यादा और नैतिकता का ख्याल रखा जाता है। किंतु, जैसे ही हम तय सिद्धांतों से हटते हैं, मर्यादा को लांघते हैं, तब स्वाभाविक तौर पर चुनौतियां सामने आने लगती हैं। नैतिकता के प्रश्न भी खड़े होने लगते हैं। यही आज मीडिया के साथ हो रहा है। मीडिया के समक्ष अनेक प्रश्न खड़े हैं। स्वामित्व का प्रश्न। भ्रष्टाचार का प्रश्न। मीडिया संस्थानों में काम करने वाले पत्रकारों के शोषण, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रश्न हैं। वैचारिक पक्षधरता के प्रश्न हैं। 'भारतीय भाव' को तिरोहित करने का प्रश्न। इन प्रश्नों के कारण उत्पन्न हुआ सबसे बड़ा प्रश्न- विश्वसनीयता का है। यह सब प्रश्न उत्पन्न हुए हैं पूँजीवाद और कम्युनिज्म के उदर से। सामान्य-सा फलसफा है कि बड़े लाभ के लिए बड़ी पूँजी का निवेश किया जाता है। आज अखबार और न्यूज चैनल का संचालन कितना महंगा है, हम सब जानते हैं। अर्थात् मौजूदा दौर में मीडिया पूँजी का खेल हो गया है। एक समय में पत्रकारिता के व्यवसाय में पैसा 'बाय प्रोडक्ट' था। लेकिन, उदारीकरण के बाद बड़ा बदलाव मीडिया में आया है। 'बाय प्रोडक्ट' को प्रमुख मान कर अधिक से अधिक धन उत्पन्न करने के लिए धन्नासेठों ने समाचारों का ही व्यवसायीकरण कर दिया है। यही कारण है कि मीडिया में कभी जो छुट-पुट भ्रष्टाचार था, अब उसने संस्थागत रूप ले लिया है। वहीं, कम्युनिस्टों ने अपनी विचारधारा के प्रसार और भारतीयता को कमजोर करने के लिए पत्रकारिता को एक साधन के रूप में अपनाया। आज भी मीडिया में कम्युनिस्टों की पकड़ साफ दिखायी देती है। इसलिए वे जब चाहते हैं, भारत विरोधी विमर्श खड़े कर देते हैं। इस्लामिक आक्रामकता पर पर्दा डालने और हिन्दुओं को सांप्रदायिक सिद्ध करने में कम्युनिस्ट पत्रकारों ने ऐड़ी-चोटी का जोर लगाया है। अभी हाल ही में भोपाल में 'लव जिहाद' का बड़ा मामला सामने आया, जिसमें आरोपी मुस्लिम लड़के भी स्वीकार कर रहे हैं कि हिन्दू लड़कियों को धोखे से फंसाना और उनका यौन शोषण करना, उनके लिए सवाब का काम है। जब हिन्दी के प्रमुख समाचारपत्रों ने मुस्लिम लड़कों की इस स्वीकारोक्ति को प्रकाशित किया, तब कम्युनिस्ट माइंडसेट के मीडियाकर्मियों को बहुत बुरा लगा। उन्होंने अपने संस्थानों के डिजिटल एवं प्रिंट संस्थानों में इसके खिलाफ लिखना शुरू कर दिया। मतलब सच सामने नहीं आना चाहिए। भले ही हिन्दू लड़कियां मजहबी दरिंदों का शिकार होती रहें। पता नहीं उन्हें सच्ची बात लिखना, सांप्रदायिकता और मुस्लिम विरोध क्यों लगता है? इस्लामिक अपराध पर पर्दा डालने के लिए इसी प्रकार के कम्युनिस्ट एक से बढ़कर एक चालाकियां दिखाते हैं। जब कोई मौलवी दुष्कर्म या किसी आपराधिक कृत्य में पकड़ा जाता है, तब ये उसके लिए मौलवी या औलिया नहीं अपितु साधु या बाबा शब्द का उपयोग करते हैं। लोगों को इसी प्रकार भ्रमित करने की पत्रकारिता कम्युनिस्टों ने की है। हिन्दुओं की मॉब लिंचिंग के समाचार को सिंगल कॉलम में कहीं छिपा दिया जाता है, जबकि मुस्लिम व्यक्ति की मॉब लिंचिंग पर भारत से लेकर अमेरिका तक के समाचारपत्रों के प्रथम पृष्ठ से लेकर संपादकीय पृष्ठ तक रच दिए जाते हैं। यह दोहरा आचरण ही दोनों समुदायों के बीच नफरत फैलाता है।

जनसंचार का सशक्त माध्यम है हिन्दी पत्रकारिता

(योगेश कुमार गोयल)

प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वत: ही उठ जाती है। पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा ने लोकतंत्र में प्रेस की भूमिका के बारे में कहा था कि प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय अखण्डता के संदर्भ में पत्रकारिता की भूमिका की बात करें तो लोकतंत्र के अन्य स्तंभों के मुकाबले प्रेस की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि विश्वभर में भारत की प्रतिष्ठा के जो तीन प्रमुख कारण माने गए हैं, वे हैं जागरूक मतदाता, स्वतंत्र न्यायपालिका व स्वतंत्र प्रेस। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए ही कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने का अथवा उसे जागृत करने के लिए जन संचार का सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वत: ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है। प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, ''प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं व विचारों को समझना और उन्हें सही ढंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है।'' वैसे भारत-पाक युद्ध का उल्लेख करें अथवा भारत-चीन लड़ाई का या अन्य चुनौतीपूर्ण अवसरों का, प्रेस ने ऐसे हर अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है और कहना गलत न होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। चाहे हिन्दी भाषी टीवी चैनलों की बात हो या हिन्दी के समाचारपत्र अथवा पत्रिकाओं की, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 199 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रुचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है। हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए, किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है।

हिन्दी पत्रकारिता को व्यवसाय नहीं, मिशन बनाना होगा

आज जबकि हिन्दी देश एवं दुनिया में सर्वाधिक बोली एवं प्रयोग की जाने वाली तीसरी भाषा बन चुकी है, ऐसे में सहज ही हिन्दी पत्रकारिता का मूल्य बढ़ा है। निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। भारत में हिन्दी पत्रकारिता की न केवल आजादी के संघर्ष में बल्कि उससे पूर्व के गुलामी की बेड़ियों में जकड़े राष्ट्र की संकटपूर्ण स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, नये बनते भारत में यह भूमिका अधिक महसूस की जा रही है, क्योंकि तब से आज तक समाज की आवाज उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसका योगदान अविस्मरणीय रहा है। हिंदी पत्रकारिता या स्थानीय पत्रकारिता, लोगों को उनकी भाषा में जानकारी उन तक पहुँचाता है और देश भर में ज्ञान के व्यापक प्रसार को सुगम बनाता है। हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है, दरअसल दो शताब्दी पूर्व ब्रिटिशकालीन भारत में जब तत्कालीन हिन्दुस्तान में दूर दूर तक मात्र अंग्रेजी, फ़ारसी, उर्दू एवं बांग्ला भाषा में अखबार छपते थे, तब देश की राजधानी 'कलकत्ता' से हिन्दी भाषा में 'उदन्त मार्तण्ड' के नाम से पहला हिन्दी समाचार पत्र वर्ष 1826 को छपा था। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने इसे साप्ताहिक के तौर पर शुरू किया था। इसके प्रकाशक और संपादक भी वे खुद थे। भले ही अब यह समाचार पत्र बंद हो गया है, लेकिन इसने हिंदी पत्रकारिता के सूर्य को उदित कर दिया था जो आज भी देदीप्यमान है। उन्नीसवीं शताब्दी के अंत और बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में हिंदी के अनेक दैनिक समाचार पत्र निकले जिनमें हिन्दुस्तान, भारतोदय, भारतमित्र, भारत जीवन, अभ्युदय, विश्वमित्र, आज, प्रताप, विजय, वीर अर्जुन आदि प्रमुख है। बीसवीं शताब्दी के चौथे-पांचवें दशकों में अमर उजाला, आर्यावर्त, नवभारत टाइम्स, नई दुनिया, जागरण, पंजाब केसरी, नव भारत आदि प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र सामने आए। लोकतंत्र में मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में खड़ा है, पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हम देश की वर्तमान स्थिति से अवगत रहते हैं। पत्रकार अथक परिश्रम करते हैं, ताकि समाचार हमारे घर तक तुरंत पहुंचे। चाहे अखबारों के जरिए हो, टीवी चैनलों के जरिए हो या सोशल मीडिया के व्यापक प्रभाव के जरिए, नित-नये बनते एवं बदलते समाज में पत्रकारिता की शक्ति को कम करके नहीं आंका जा सकता। यह हमारे दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और सूचित संवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिन्दी पत्रकारिता में क्रांतिकारिता का रंग गणेश शंकर विद्यार्थी ने भरा था। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से 9 नवंबर 1913 को 16 पृष्ठ का 'प्रताप' समाचार पत्र शुरू किया था। यह काम शिव नारायण मिश्र, गणेश शंकर विद्यार्थी, नारायण प्रसाद अरोड़ा और कोरोनेशन प्रेस के मालिक यशोदा नंदन ने मिलकर किया था। शिव नारायण मिश्र और गणेश शंकर विद्यार्थी ने 'प्रताप' को अपनी कर्मभूमि बना लिया। विद्यार्थीजी के समाचार पत्र प्रताप से क्रांतिकारियों को काफी बल मिला। मुंशी प्रेमचंद महान् लेखक-कहानीकार होने के साथ-साथ हिन्दी के क्रांतिकारी एवं जुझारू पत्रकार थे, उनकी पत्रकारिता भी क्रांतिकारी थी, लेकिन उनके पत्रकारीय योगदान को लगभग भूला ही दिया गया है। जंगे-आजादी के दौर में उनकी पत्रकारिता ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध ललकार की पत्रकारिता थी। वे समाज की कुरीतियों एवं आडम्बरों पर प्रहार करते थे तो नैतिक मूल्यों की वकालत भी करते थे।

आज का राशिफल

[illegible]

उज्जैन जोन का बाल समागम रतलाम में सम्पन्न

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। संत निरंकारी मंडल दिल्ली जोन उज्जैन के तत्वावधान में निरंकारी बाल संत समागम श्री नानक धाम गुरुद्वारा रतलाम में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरग्राम हरियाणा से आये महात्मा श्री राकेश भाऊसार ने करी। बाल समागम मे उज्जैन जोन की 11 ब्रांचों के बच्चों व साध संगत ने सहभागिता करी कार्यक्रम की शुरुआत हरदेव वाणी बच्चो ने पढ़कर करी उसके पश्चात् सभी ब्रांचो के बच्चो ने बारी बारी से सत्य का संदेश गीतों द्वारा कव्वाली, भजन नाट्य प्रस्तुति व कवि दरबार लगाकर सतगुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया। अपने अध्यक्षी उद्बोधन मे राकेश ने बाल समागम पर प्रकाश डालते हुऐ कहा की भ्र्ओं से सतगुरु ने हमें ज्ञान देकर निकाला इस प्रारभ्रम से जोड़कर ये बाल समागम के बच्चे सत्य का संदेश देरहे थे अपनी प्रस्तुति देकर ज़ब हदय मे प्यार की भावना रहती है तो शब्दो की जरूरत नहीं पड़ती है बिना अभ्यास व प्रयास के कुछ नहीं होता है। इंसान व्यापार, डिग्री तरक्कीयो के बारे मे सोचता है लेकिन परमात्मा के बारे मे नहीं जैसे मकान बनाने के पहले हम नीव भरते है उसी प्रकार बच्चे भी कोमल होते है उनके जीवन की नीव सत्य सतसंग से भर देते है। आगे जाकर उनके जीवन की ईमारत बनती है। कार्यक्रम के अंत में उज्जैन जोन के ज़ोनल इंचार्ज राजकुमार गनवानी ने सभी ब्रांचो के सयोजक मुखी व साध संगत का आभार व्यक्त किया। यह जानकारी शीतल दास कोतक ने दी।

नपा द्वारा डीए एरियर की राशि का भुगतान करने पर नपा कर्मचारियों में खुशी की लहर

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका कर्मचारियों को डीए एरियर की राशि प्रदान करने एवं मासिक वेतन में बढ़ोत्तरी करने पर अपााक्स संगठन के पदाधिकारियों ने नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सुधीर कुमार सिंह एवं स्वास्थ्य सभापति श्रीमती दीपमाला रामेश्वर मकवाना को पुष्पगुच्छ भेंटकर व पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया व उनका आभार प्रकट किया।

अपाक्स जिलाध्यक्ष हेमा कंडारे ने बताया कि नगर पालिका मंदसौर द्वारा समस्त स्थायी एवं विनियमित कर्मचारियों व अधिकारियों को मंहगाई भत्ते की एरियर राशि का भुगतान कर दिया गया है। इससे समस्त अधिकारियो व कर्मचारिंयो में खुशी की लहर है। इसके लिये नपाध्यक्ष, सीएमओ एवं स्वास्थ्य सभापति का हम आभार व्यक्त करते है। इस दौरान सकल वाल्मीकि समाज के अध्यक्ष राजाराम तंवर, अपाक्स संगठन के जिलाध्यक्ष चेतनदास गनछेड़, अपाक्स सफाई प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष हेमा कंडारे, नगर अध्यक्ष जया डागर, पारस जादू नीता तंवर, मंगल कोटियाना, रणजीत कल्याणे, गोलू चनाल, टीना चनाल, गुड्डी कोठीयाना, कला सोनवाल, रेणुका, अलका, रूकमणी तंवर, रितेश तंवर, लखन तंवर, पवन दलौर, सतीश खेरालिया आदि मौजूद थे।

अवैध खनिज परिवहन करते 09 वाहन जप्त

नीमच, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। खनिज अधिकारी श्री गजेन्द्रसिह डावर एवं टीम द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के विरुद्ध नीमच, जावद, मनासा क्षेत्र में प्रभावी कार्यवाही करते हुए खनिज रेत, फर्शीपत्थर एवं खण्डा के अवैध परिवहन मे संलिप्त 09 वाहनों को मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत् जप्त किया गया है। उक्त वाहनों को पुलिस थाना नीमच केन्ट, कुकडेश्वर, जावद, नयागांव चौकी की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़े किया गया है।

कलेक्टर एवं एडीएम ने जनसुनवाई के दौरान 58 मामलों में सुनवाई की

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर अदिती गर्ग, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 58 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मंदसौर जिले के अफजलपुर निवासी आवेदक देवेन्द्र कुमार ने भुमि पर रास्ता खुलवाने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर तहसीलदार मंदसौर को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के काचरीया कदमाला के माधुलाल ने भुमि पर कब्जे के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर नायब तहसीलदार को निर्देश दिए जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के मुल्तानपुरा निवासी मुबारिक ने सिलिकोसिस सहायता राशी भुगतान में सुधार के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर मंदसौर स्लेट पेंसील बोर्ड अधिकारी को निर्देश दिए जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर निवासी हातिमअली ने विवाह पंजीयन के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर नगर पालिका सीएमओ को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। इसके साथ ही जनसुनवाई के दौरान सिलिकॉसिस बिमारी से पिड़ितों को आर्थिक सहायता प्रदान करने, कृषि भुमि पर कब्जा व फसल नुकसान, प्रधानमंत्री आवास, अतिक्रमण हटाने, स्वीकृत राशी जमा नहीं होने, जननी सुरक्षा का लाभ न मिलने इत्यादि तरह-तरह के आवेदन आये।

शिवना के साफ व स्वच्छ जल में पक्षियों ने भी डाला डेरा

विधायक विपिन जैन भोपाल से वर्चुअल जुड़े श्रमदानियों से, बढ़ाया हौंसला, 34 वें दिन 7 ट्राली गंदगी, मिट्टी व झाड़िया साफ की, रंग रोगन कार्य रहा जारी

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। विधायक श्री विपिन जैन के आव्हान एवं नेतृत्व में चल रहे शिवना शुद्धिकरण अभियान की सफलता इसी से दिखाई देती है कि शिवना का जल साफ व स्वच्छ होने से अब शिवना नदी में जल पक्षी भी आकर बैठने लगे है। वरना इस अभियान के शुरू होने से पहले शिवना जलकुंभी व गंदगी से पटी दिखाई देती थी इंसान तो ठीक पक्षी भी यहां आना पसंद नहीं करते थे।

उक्त बात मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड ने शिवना शुद्धिकरण अभियान सार्थकता बताते हुए कही। श्री लाड ने बताया कि 3 जून को विधायक श्री जैन भोपाल प्रवास पर रहे लेकिन इस अभियान को लेकर उन्होनें श्रमदान कर रहे नागरिकों से विडियों कॉल कर संवाद किया तथा सभी से इस अभियान में अधिक से अधिक योगदान देने का आव्हान किया। 3 जून को शिवना घाट पर रंग रोगन का कार्य जारी रहा तथा घाट के आसपास जमी मिट्टीयों को निकाला गया तथा झाडियों को साफ किया गया। यहां से 7 ट्राली गंदगी, झाडिया व मिट्टी साफ की गई। मंगलवार को श्रमदान करने वालों में बीमा हॉस्पिटल मंदसौर से डॉ. पवन पाटीदार, अनिल शर्मा, महेश फतरोड, अनुराग कुशवाह, अशोक चनाल, अनिला परमार, सुशीला पंवार, एम.पी. स्टेट एग्रो से विजय सौलंकी, रितेश अग्रवाल, घनश्याम रैकवार, समाजसेवी मनीष भावसार, महेश दुबे, हेमराज खाबिया, रामचन्द्र मालवीय, नरेन्द्र भावसार, नमन पालीवाल, विजय आनंद, राकेश जैन पिंटू, उमेशसिंह बोस, घनश्याम भावसार, गल्याखेडी गांव से दशरथ मालवीय, मनीष माली, अभिषेक माली, मेनपुरिया गांव से गगन माली, आलोक राठौर, नागेश्वर राठौर, महेश राठौर, शैलेष माली, दीपक माली, अमलावद गांव से कैलाश कुमावत, इन्द्रेश कुमावत भगत, महिला नेत्री इष्ट भाचावत, सुनीता बंडी, सोनाली जैन, अनिता भदौरिया, प्रमिला पंवार, चन्द्रकलासिंह भावसार, गीताली पोरवाल, मिताली पोरवाल, शैली पोरवाल, प्रीति छाबडा, सोहनबाई मालवीय, योगिता बैरागी, कांग्रेसजन विकास दशोरा, राजेन्द्र छाजेड, कमलेश सोनी, दिलीप देवडा, रमेश सिगार, संजय नाहर, साबिर इलेक्ट्रीशियन राजेश फरक्या, विश्वास दुबे, मनोहर नाहटा, अमित छाबडा, अजय सोनी, राजेश खिची, रमेश ब्रिजवानी, महेश रत्नावत, शैलेन्द्र गोस्वामी, सादिक गौरी, महेश गुप्ता, शिवशंकर सौलंकी, योगेन्द्र गौड, ऋषिराज लाड, गोपाल बंजारा, राजा बाबू, राजेश चौधरी, अशोक राव, सोहनलाल धाकड, नितनेश बसेर, अकरम खान, प्रीतम पंचोली, निखिलेश पालरिया, मोहनपुरी गोस्वामी, राजेश भदौरिया सहित बडी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

शिक्षक भर्ती 2018 पूर्ण कराने 18 जून को भोपाल में होगा बड़ा प्रदर्शन

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। उच्च एवं माध्यमिक स्थाई शिक्षक भर्ती 2018 पिछले 7 साल से अधर में लटकी हुई हैं । पात्रता परीक्षा संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल रविदास व लिलेंद्र मेहरा व अन्य अभ्यर्थियों ने बताया कि उच्च एवं माध्यमिक शिक्षक भर्ती 2018 में प्रथम एवं द्वितीय काउंसलिंग होने के बाद भी माध्यमिक शिक्षक भर्ती के 2,237 एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती के 5,935 पद आज तक शेष हैं। इन पदों पर अभी तक तृतीय काउंसलिंग शुरू नही की गई। जिस कारण अभ्यर्थी बार बार धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हैं। शिक्षक बनने के आशा में पिछले कई वर्षों से उम्मीद लगाए बैठे इन उम्रदराज अभ्यर्थियों का कहना है कि अगर समय पर मांगे पूर्ण नहीं होती हैं तब 18 जून को राजधानी भोपाल में हजारों अभ्यर्थी एक बड़ा प्रदर्शन करेंगे जिसकी जिम्मेदारी स्वयं सरकार की रहेगी।

श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया की बैठक 05 को

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। सद्गुरुदेव श्री चैतन्य देव भगवान, अन्नदाता श्री प्रत्यक्ष देव भगवान सहित कई अनेक सिद्ध संतो की पावन तपस्थली श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया मंदसौर में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले आगामी भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं आश्रम में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा हेतु श्री चैतन्य आश्रम लोक न्यास की बैठक 5 जून 2025 गुरूवार को प्रात: 10 बजे श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया पर आयोजित की गई है। श्री चैतन्य आश्रम लोक न्यास अध्यक्ष प्रहलाद काबरा एवं सचिव रूपनारायण जोशी ने ट्रस्ट के सभी सदस्यों से आग्रह किया है कि बैठक में उपस्थित होकर सदगुरुदेव भगवान की कृपा प्राप्त करें।

खजूरी आंजना में खेत सड़क का काम एक साल से बंद पड़ा

ग्राम पंचायत व ठेकेदार की मिली भगत से ग्रामीणों को कीचड़ भरे रास्ते से कुएं पर जाने में हो रही है परेशानी

खजूरी आंजना, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जनपद के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत जोगीखेडा के गांव खजुरी आंजना मैं 1 साल पहले खेत सडक का काम ग्राम पंचायत द्वारा शुरू किया गया था और फिर करीब पंद्रह दिन काम चला और बारिश का समय आ गया था इसके बाद काम को बंद कर दिया गया था जोकी आज तक यह सड़क किसानों व पशुओं के लिए बारिश के समय में बडी ही आपात बन गई है खजुरी आंजना गांव में मनरेगा के अंतर्गत बनने वाली खेत सडक बालाजी मंदिर से लगाकर कुचडोद कांकड तक ग्राम पंचायत जोगीखेडा के द्वारा सड़क के दोनों तरफ़ से खोदकर काली मिट्टी डाल दी गई और काम को बंद कर दिया गया जिससे हल्की-फुल्की बारिश होने पर किसानों व पशुओं को किचड में काफी परेशानी का सामना करना पडता है वह अपने वाहन से हल्की फुल्की बारिश होने पर कुएं भी नहीं जा सकते करीब 1 साल होने को आए आज तक काम नहीं चला जैसा का जैसा ही छोड कर चले गए और कहीं लोगों ने सडक के आसपास में अतिक्रमण कर लिया गया है जिससे भी परेशानी का सामना करना पडता है वहीं बारिश भी सर पर है एक बार और किसानों व पशुओ व कृषि कार्य के साधन को इस बारिश में काफी परेशानियों का सामना रोजाना करना पडेगा व इसका परिणाम भी निराशाजनक हि होगा क्योंकि खेत सड़क का काम करीब 13 महीने से बंद पडा है और इस ओर किसी का भी ध्यान नहीं है और खेत सडक के आसपास लोगों ने अतिक्रमण भी कर लिया और जिले में बे मोसम बारिश से पूरी खेत सडक कीचड वह दलदल से भर जाती है जिससे काफी परेशानी उठानी पडती है अभी खेती किसानी का काम भी शुरू हो गया है अब ग्रामीण प्रशासन से मांग करते हैं कि खेत सडक निर्माण कार्य जल्दी पूरा हो वरना बडवा न ताल रोड रोककर विरोध करेंगे ग्राम पंचायत जोगीखेडा की मिली भगत से बहुत बडी लापरवाही देखनो को मिलीं करीब 12 महीने से काम पडा लेकिन ईस ओर ध्यान नहीं गया और विकास के नाम पर शासन प्रशासन को गुमराह किया जा रहा है अब बारिश में किसानों के लिए बनेंगी बडी मुसीबत खेत सडक योजना का लाभ किसानों को नहीं मिल रहा समय पर आपको बता दे की बालाजी मंदिर से कुचडोद कांकड तक सडक बननी है लेकिन अभी तक इसका कोई अता पता नहीं है अब बारिश भी सर पर आने को आतुर है ऐसे में किसान अपनी खेतों की ओर तेजी से कार्य करने को आतुर है किसान अपने खेतों में कृषि यंत्रों का उपयोग करने के लिए इसी रास्ते से निकलने को मजबूर होंगे और इस दलदल नुमा मिट्टी में फस जाएंगे जिससे किसानों को वाहन निकालने में काफी परेशानियों का सामना करना पडेगा किसानों ने कहीं बार ग्राम पंचायत को भी अवगत कराया लेकिन जिम्मेदारो ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया अब इसका हरजाना किसान भुगतेंगे

इनका कहना...

क्षेत्र में तेज बारिश हुई है थोडा सूखने के बाद तीन-चार दिन में काम चालू कर देंगे

जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा

जनपद अध्यक्ष जी को ठेका दे रखा है उनसे मेरी बात हुई है वह जल्द ही बारिश से पहले काम चालू कर देंगे

गजराज सिंह चावड़ा
सरपंच, ग्राम पंचायत जोगीखेडा

सभी विभाग अपने भवनों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्थापित करें-चंद्रा

कलेक्टर ने जिला अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

नीमच, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले के सभी विभागों के अधिकारी, सभी नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायतें अपने विभागों के भवनों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग ईकाई स्थापित करें। जिससे, कि वर्षा जल को अनावश्यक बहने से रोका जा सकें और जल संरचनाओं को रिचार्ज किया जा सकें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी अधिकारियों को दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, संयुक्त कलेक्ट र डॉ.ममता खेडे, श्री राजेश शाह, एसडीएम एवं सभी डिप्टी कलेक्टर्स तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने पशुपालन विभाग को निर्देश दिए, कि वे पशुचिकित्सकों से गौशालाओं का नियमित रूप से निरीक्षण एवं भ्रमण सुनिश्चित करवाएं तथा गौशाला संचालकों को मृत पशुओं के विधिवत उचित रीति से निपटान की व्यवस्था करने हेतु पाबंद करें। कलेक्टर ने नगरपालिका सीएमओं को निर्देश दिए, कि वे नीमच के प्रमुख नालों के 17 चिन्हित स्थानों पर प्राथमिकता से साफ-सफाई बारिश से पूर्व सुनिश्चित करवाएं। रपटों, पुल, पुलियाओं पर आवश्यकतानुसार रैलिंग लगवाएं।

अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाए– बैठक में कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए, कि वे ऐसे प्रकरण जिनमें राजस्वान्यायालयों द्वारा अतिक्रमण हटाने, कब्जा हटाने और रास्ते खुलवाने संबंधी आदेश पारित कर दिए गए है और उन पर अमल नहीं हुआ है, उनको सूचीबद्ध कर, अभियान चलाकर आगामी शुक्रवार, शनिवार को जिले में एक साथ अतिक्रमण हटाने, रास्ते खुलवाने और सीमांकन का कार्य सुनिश्चित करें।

योजनाओं का लाभ लेने हेतु जरूरी है ईकेवायसी– बैठक में कलेक्टर ने कहा, कि जिले में ईकेवायसी से शेष रहे हितग्राहियों की ईकेवायसी के लिए पंचायतों और नगरीय वार्डो में शिविर आयोजित कर शतप्रतिशत ईकेवायसी का कार्य पूर्ण करवाया जाए। उन्होने कहा, कि हितग्राहियों को प्रेरित किया जाए, कि यदि वे स्वयं आगे आकर अपना ईकेवायसी नही करवाएंगे, तो भविष्य में उन्हें शासकीय योजनाओं, राशन सामग्री का लाभ प्राप्त करने में असुविधा होगी। अत: सभी हितग्राही स्वयं आगे आकर अपना ईकेवायसी करवाएं। कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों, जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि वे 15 जून से पूर्व शेष रहे सभी हितग्राहियों का ईकेवायसी करवाएं। कलेक्ट र ने ग्राम पंचायतों के नोडल जिला अधिकारियो को भी निर्देश दिए, कि वे बुधवार को अपने-अपने क्षेत्र की पंचायतों का भ्रमण कर, ईकेवायसी कार्य की समीक्षा करें और शेष रहे हितग्राहियों को ईकेवायसी के लिए प्रेरित कर, उनका ईकेवायसी करवाएं।

एक पेड मॉ के नाम के तहत पौधा रोपण:– कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने निर्देश दिए,कि सभी जिला अधिकारी नगरीय निकाय विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के पूर्व पौधारोपण का अपना-अपना लक्ष्य तय कर, पौधारोपण की सभी आवश्यक तैयारियाँ कर लें। 5 जून को सांकेतिक रूप से एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर, पौधारोपण करवाएं। तदपश्चात अच्छी बारिश के बाद वृहद रूप से पौधारोपण का कार्य करवाया जाए।

डीआरडीए कर्मचारियों को समयमान वेतनमान हेतु गठित समिति की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मंदसौर के आदेश क्रमांक / 1652 / स्थापना / 2025 दिनांक 23.05.2025 द्वारा जिला पंचायत मंदसौर में कार्यरत डीआरडीए के कर्मचारियों को विगत वर्षों से विभागीय पदोन्नति / समयमान वेतनमान का लाभ न मिलने से मप्र पचायतराज (भर्ती तथा सेवा के सामान्य शर्ते) नियम 1999 के नियम अनुसूची-4 अनुसार कर्मचारियों को समयमान का लाभ प्रदान करने हेतु पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया।

गठित समिति में जिला पंचायत के अनुमोदन अनुसार श्री विजय मेहता, सदस्य जिला पंचायत मंदसौर को गठित समिति का अध्यक्ष, सुश्री संगीता पिता राधेश्याम चौहान, सदस्य जिला पंचायत मंदसौर, सदस्य, श्री रामप्रतापसिंह पंवार, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सदस्य सचिव, श्री सुरेश कुमार भारती, लेखाधिकारी, सदस्य एवं श्री प्रभांशु कुमार सिंह, जनपद पंचायत सीतामऊ सदस्य नियुक्त करते हुए सीधी भर्ती के कर्मचारियों को डीआरडीए प्रशासन योजना अंतर्गत कर्मचारियों को पदोन्नति / समयमान का लाभ दिये जाने नियमानुसार समिति की बैठक दिनांक 2 जून 2025 को जिला पंचायत मंदसौर में गठित समिति की बैठक श्री विजय मेहता, सदस्य जिला पंचायत की अध्यक्षता में की आयोजित कर डीआरडीए के कर्मचारियों को शासन नियमानुसार समयमान वेतनमान का लाभ प्रदान करने हेतु समिति द्वारा पात्र कर्मचारियों को लाभ देने हेतु प्रतिवेदन का सर्वानुमति से समिति द्वारा अनुमोदन किया गया। उक्त समिति द्वारा जिला पंचायत को प्रस्तुत प्रतिवेदन से कार्यालय में कार्यरत डीआरडीए कर्मचारियों को पात्रतानुसार समयमान का नियमानुसार लाभ मिलेगा।

निकाय द्वारा दुकानों की नीलामी नियमानुसार की

मनासा, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद मनासा लगातार नगर विकास एवं जनहित हेतु प्रतिबद्ध है दिनांक 02/06/2025 को सोशल मिडिया एवं कुछ समाचार पत्रो में शिकायतकर्ताओ द्वारा आर. एल.बी. चौराहा की दुकानों की निलामी की प्रक्रिया सम्बन्धित भ्रामक जानकारी प्रस्तुत की जा रही है जो की बिल्कुल गलत है निकाय द्वारा सम्पूर्ण प्रक्रिया नियमानुसार एवं पारदर्शिता के साथ की जा रही है परिषद द्वारा आर.एल.बी. चौराहा पर निर्मित दुकानों के विक्रय की अनुमति परिषद द्वारा अपने प्रस्ताव क्रं. 259 दिनांक 25/03/2025 से दी गई है एवं दुकानों के ऑफलाइन लिफाफा पद्धति से विक्रय की स्वीकृति संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास उज्जैन संभाग उज्जैन द्वारा पत्र क्रं. 1303 उज्जैन दिनांक 24/04/2025 से प्रदान की गई है। म.प्र. अचल संपति अंतरण नियम 2016 लागू होने पश्चात् शासन द्वारा ओपन बोली निलामी कि प्रक्रिया को पूर्णत समाप्त कर दिया गया है एवं केवल ऑनलाइन या ऑफलाइन निविदा प्रक्रिया का उल्लेख किया गया है जिसका पालन निकाय द्वारा नियमानुसार किया गया है निकाय द्वारा म.प्र. अचल संपति अंतरण नियम 2016 के तहत् वर्तमान में जमीन तल पर निर्मित 11 दुकानो के आरक्षण की प्रक्रिया की गई है जिसमें दुकान क्र. 01 से 8 तक सामान्य वर्ग, दुकान क्र. 09 सामान्य वर्ग महिला, दुकान क्रं. 10 अन्य पिछडावर्ग एवं दुकान क्र. 11 अ.जा. एवं अ.ज.जा. के वर्गों कें लिए आरक्षित की गई है। जमीनतल की सम्पूर्ण दुकानो के निर्माण कार्य को पूर्ण करने में लगभग 50 लाख का व्यय संभावित है। ऐसी स्थिति में दुकानों के निर्माण कार्य पूर्ण करने की राशि जुटाने के लिए निकाय द्वारा वर्तमान में केवल दुकान क्र. 01 से 04 तक की निलामी की सूचना जारी की गई है। शेष दुकानों की निलामी ठेकेदार द्वारा सम्पूर्ण दुकानों का निर्माण कार्य पूरा करने पर जारी की जा सकेगी।

नगर पालिका द्वारा समस्त स्थायी, विनियमित कर्मचारियों को एरियर का भुगतान किया

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका परिषद मंदसौर की अध्यक्ष श्रीमती नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सुधीर कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि नगर पालिका मंदसौर द्वारा अपने समस्त स्थायी एवं विनियमित कर्मचारियो/अधिकारीयो को महगाई भत्ते की एरियर राशि का भुगतान 28/05/2025 को कर दिया गया है। इससे समस्त अधिकारीयो/कर्मचारीयो में खुशी की लहर है साथ ही यह भी बताया गया कि वर्तमान में शासन द्वारा निकाय को सफाईमित्रोकी नियुक्ति हेतु कोई भी स्वीकृति प्राप्त नही हुई है यदि भविष्य में स्वीकृति प्राप्त होती है तो सार्वजनिक रूप से सूचित कर भर्ती की जावेगी। ाथ ही सूत्रो ये यह जानकारी प्राप्त हो रही है कि एरियर भुगतान के संबंध में कुछ कर्मचारीयो से कुछ राशी वसूल की जा रही है कोई भी कर्मचारी किसी को एरियर भुगतान एवं नौकरी के संबंध में धनराशि नही देवे। साथ ही कोई धनराशि मांगता है तो उसकी जानकारी नगर पालिका अध्यक्ष महोदय एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को देवे।

सेनि शिक्षक गजेन्द्रसिंह राठौर का दुखद निधन

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। सेवानिवृत्त शिक्षक गजेन्द्रसिंह राठौर का हृदयाघात से दुखद निधन हो गया। श्री राठौर नूतन माध्यमिक विद्यालय मंदसौर में वर्षों तक पदस्थ रहे। स्व. श्री राठौर अपने शैक्षणिक कर्तव्यों, सामाजिक सरोकारों के लिए याद रखे जायेंगे। उन्होंने रेडक्रॉस गतिविधियों और नूतन स्टेडियम निर्माण में सक्रिय योगदान दिया। स्व. श्री राठौर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए महावीर रघुवंशी, चन्द्रविनोद सेंगर, राकेश पुरोहित, एन.डी. वैष्णव, शंभूदयाल व्यास, अशोक शर्मा, जितेन्द्रसिंह राणा, भगवानसिंह आंजना, वल्लभ बघेरवाल सहित अनेक संगठनों एवं मित्रों ने श्रद्धांजलि अर्पित की है।

पैथालॉजी लेब पर जांच की दर तय कर सूची चस्पा की जाए-ग्राहक पंचायत

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले में कई सारी पैथालॉजी लैब संचालित हो रही है। उनमें प्राय: देखने मे आया है कि जांच की दर वाली सूची कही भी

सार्वजनिक रूप से नही लगी हुई है। विभिन्न पैथालॉजी लैब में जांच का शुल्क अलग अलग होता है। जबकि जांच तो वही होती है जो सब जगह होती है। साथ ही ग्राहकों को कुछ लैब संचालको द्वारा रसीद भी नही दी जाती है। इसको लेकर पूर्व में भी ग्राहक पंचायत ने उचक्ज को ज्ञापन सौपा था लेकिन उचक्ज ने ज्ञापन पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं की। उसके बाद भी पैथालॉजी लैब के द्वारा मनमाना शुल्क वसूला जा रहा है। इस प्रकार की समस्या ग्राहक पंचायत के संज्ञान में बीते कुछ दिनों से आरही थी जिसको लेकर आज ग्राहक पंचायत मंदसौर इकाई ने कलेक्टर कार्यालय पर चल रही जन सुनवाई में पहुंचकर अवा एकता जायसवाल को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्हें पैथालॉजी लैब वाला विषय संज्ञान में लाया। उनसे अनुरोध किया कि उनकी तरफ से कीमत को लेकर उचक्ज से चर्चा कर पैथालॉजी लैब की जॉच की दर तय कर आदेश निकाला जाए और सूची सार्वजनिक रूप से पैथालॉजी लैब में बडे अक्षरों में चस्पा की जाए। जिससे आम ग्राहक आसानी से पड सके। ज्ञापन देते समय ग्राहक पंचायत के प्रांत सह सचिव नवनीत शर्मा, विजय कोठारी, आशीष भाटिया, उमराव सिंह जैन, निलेष सेन और विक्रम सिंह उपस्थित थे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	51	1900	2115
उडद	8	4500	7000
सोयाबीन	4854	3800	4325
गैहु	9000	2200	2700
चना	308	5001	5419
मसुर	105	5700	6311
धनिया	290	5500	6951
लहसुन	16000	2611	9551
मैथी	1009	3500	5801
मुंगफली	372	3950	5050
अलसी	1303	6400	6950
सरसो	496	5800	6261
तारामीरा	1	5271	5271
इसबगोल	85	7500	10720
प्याज	2394	300	902
कलोंजी	33	15399	21301
तुलसी बीज	5	9900	13831
डॉलर	92	5800	8500
तिल्ली	2	7601	8000
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	5	2700	3100
असालीया	60	5885	6388
चियाबीज	137	10451	13980

जनसुनवाई में प्राप्त रास्ता विवाद, अतिक्रमण हटाने संबंधी आवेदनों पर तत्काल मौके पर जाकर अतिक्रमण हटवाएं-चंद्रा

कलेक्टर ने जनसुनवाई करते हुए दिए अधिकारियों को निर्देश

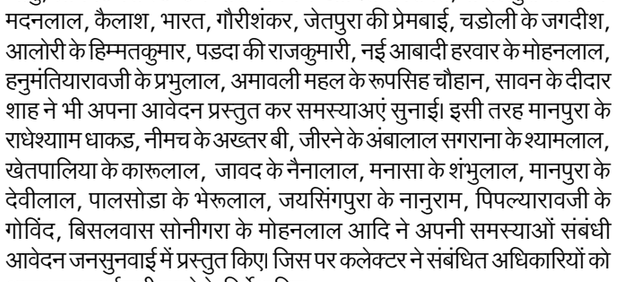

नीमच, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले के सभी राजस्व अधिकारी रास्ता विवाद और अतिक्रमण हटाने संबंधी जनसुनवाई में प्राप्त5 आवेदनों पर कार्यवाही कर, तत्काल मौके पर जाकर विवादों का निपटारा करें और मौके पर से अतिक्रमण हटवाएं। साथ ही तहसीलदारों द्वारा पारित आदेश के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही कर, आदेशों का अमल सुनिश्चित करवाएं। यह निर्देश कलेक्टेर श्री हिमांशु चंद्रा ने जनसुनवाई करते हुए ग्राम दोबड के बाबूलाल पिता तुलसीराम के आवेदन पर सुनवाई करते हुए सभी राजस्व अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने निर्देश दिए, कि राजस्व अधिकारी सीमांकन के प्रकरणों का अविलंब निराकरण कर, मौके पर जाकर अतिक्रमण एवं अवैध कब्जा हटवाने की कार्यवाही करें। साथ ही रास्ता विवादों का निराकरण कर रास्ते खुलवाएं। इस मौके पर एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एसडीएम श्री संजीव साहू, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेडे, श्री राजेश शाह सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 96 आवेदकों की सुनी समस्याएं और निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में पडदा के घीसालाल, नीमच के मो.अनीस, भाटखेडी के धापूबाई, भगवानपुरा नीमच सिटी के जीतु, प्रायवेट बस स्टेण्ड के पास नीमच के आदिश सगरावत, गोपालपुरा पावडा के मदनलाल, कैलाश, भारत, गौरीशंकर, जेतपुरा की प्रेमबाई, चडोली के जगदीश, आलोरी के हिम्मतकुमार, पडदा की राजकुमारी, नई आबादी हरवार के मोहनलाल, हनुमंतियारावजी के प्रभुलाल, अमावली महल के रूपसिह चौहान, सावन के दीदार शाह ने भी अपना आवेदन प्रस्तुत कर समस्याएं सुनाई। इसी तरह मानपुरा के राधेश्याम धाकड, नीमच के अख्तर बी, जीरने के अंबालाल सगराना के श्यामलाल, खेतपालिया के कारूलाल, जावद के नैनालाल, मनासा के शंभुलाल, मानपुरा के देवीलाल, पालसोडा के भेरूलाल, जयसिंगपुरा के नानुराम, पिपल्यारावजी के गोविंद, बिसलवास सोनीगरा के मोहनलाल आदि ने अपनी समस्याओं संबंधी आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्रीष्मकाल में लगाएं संस्कारों की पाठशाला...

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। ग्रीष्मकालीन अवकाश विद्यार्थियों के साथ ही पूरे परिवार के लिए भी वर्ष का एक महत्वपूर्ण समय होता हे। ग्रीष्मकाल अवकाश लगते ही बच्चे एवम माता पिता के चेहरो पर रौनक लोट आती हे क्योंकि छुट्टियों के यह दिन वर्षभर प्रतीक्षा के बाद ही तो आते हे। ऐसे में इस ग्रीष्मकालीन अवकाश की सभी को प्रतीक्षा रहती हे। भारतीय परंपरा में ग्रीष्मकालीन अवकाश को कम से कम बच्चो और महिलाओ द्वारा ननिहाल, मायका में मनाने की परंपरा हे। बच्चे छुट्टियां बिताने के लिए अपने रिश्तेदारो, संबंधियों या यूं कहे की नाना नानी, मोसी, भुआ के साथ ही अन्य रिश्तेदारो के यहा भी पंहुच जाते हे। कुल मिलाकर पहले विद्यालय की छुट्टियां होते ही बच्चो का रुख रिश्तेदारो के घरो की और हो जाता था। ऐसे में माता पिता और दादा दादी के साथ ही नाना नानी को भी नाती पोती के रूप में एक नया वातावरण गर्मी में बतियाने, मनोरंजन करने, एक दूसरे को सीखने समझने के रूप में व्यतीत होता था लेकिन अब ग्रीष्मकालीन अवकाश के मायने, महत्व और उसको व्यतीत करने के तौर तरीके बहुत कुछ बदल गए हे। इसलिए यह परंपरा धीरे धीरे समाप्त होती जा रही हे। इसकी अनुपस्तिथि विकृति एवम अन्य गलाकाट प्रतिस्पर्धाओं को भी तेजी से बढावा दे रही हे। इसलिए ग्रीष्मकालीन अवकाश की वह संस्कारो के बीजारोपण वाली पद्धति पुन: लोटाने का प्रयास भी सतत होना आवश्यक हे। ग्रीष्मकालीन अवकाश पर एकल परिवार की अवधारणा ने तेजी से प्रहार किया हे। इसमें शहरी क्षेत्रो में तो और अधिक स्तिथि बिगडती दिखाई दे रही हे क्योंकि हर कोई हम दो हमारे दो की विचारशेली को इस कदर अपना चुका हे की कोई घंटे भर के लिए भी घर आ जाए तो बोझ लगने लगता हे। परिवार में ही जब संयुक्त के स्थान पर एकल परिवार विचार का तेजी से प्रसार हो रहा हे उस स्तिथि में बच्चो के बाल मस्तिष्क में यह विचार केसे बिजारोपित किया जाए की संगठित रहकर, संयुक्त परिवार में रहकर, सामूहिक रूप से रहकर ही प्रत्येक समस्या का समाधान संभव हे। जब इस तरह का विचार प्रत्येक बालक बालिका में पल्लवित होगा तो समाज राष्ट्र की मजबूत नीव का निर्माण संभव होगा। इसके लिए भेदभाव, जातिवर्ग भेद को त्यागने की प्रवृति बडाने के लिए बच्चो को अपने कालोनी मोहल्ले में उंच्च नीच से परे सभी गरीब अमीर बच्चो को एक साथ गर्मी के अवकाश में खेलने रचनात्मक गतिविधियों को मिलकर बढावा देने की प्रवृति भी समाज संगठन की दृष्टिसे संस्कारो की पाठशाला का काम करेगी। कुल मिलाकर इस अवकाश में माता पिता अपने बच्चो की रुचियों और कोशल को निखारने के साथ ही उन्हे धार्मिक, ऐतिहासिक, देश की भौगोलिक जानकारी, श्रेष्ठलेखको की कहानियाऔर महान महापुरुषो के जीवन चरित्र के अध्ययन के लिए प्रेरित करे। भारतीय इतिहास से अवगत कराने वाले, गौरव प्रदान करने वाले स्थलो, स्मारको का भी भ्रमण करवाएं ताकि बच्चो को अपने गोरवशाली इतिहास का भी ज्ञान हो सके। इससे उनके अंदर निश्चित रूप से परिवार व सामाजिक दायित्व का बोध होने के साथ ही देशभक्ति का भाव भी जाग्रत होगा।

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

गौरव सोनी, मंदसौर

एडीएम द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत...

चार संस्थानों पर 3.25 लाख का जुर्माना आरोपित

नीमच, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। अपर जिला दण्डालधिकारी श्रीमती लक्ष्मी गामड द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों में चार आरोपियों पर तीन लाख 25 हजार रूपये का जुर्माना आरोपित किया गया है। एडीएम श्रीमती गामड द्वारा पारित आदेशानुसार खाद्य पदार्थ धनिया अवमानक एवं मिथ्यानछाप व अजवाईन बगैर पंजीयन के परिवहन एवं विक्रय करने पर नितीन पिता मदनलाल छाबडा, फर्म जय गणेश ट्रेवल्सव नीमच पर एक लाख रूपये, विपिन पिता ओमप्रकाश अग्रवाल फर्म धनलक्ष्मीव ट्रेडिंग कम्पननी नीमच पर एक लाख रूपये, राजदीप ट्रेडिंग कपनी बघाना के दीपक मोता पर एक लाख रूपये एवं कृष्णएचंद्र पिता सूरजमल अग्रवाल फर्म किशन कन्है या औद्योगिक क्षेत्र नीमच पर 25 हजार रूपये का अर्थदण्ड आरोपित किया गया है।

समग्र ई केवाईसी के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 15 जून तक शिविर लगाए

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देश देते हुए कहा कि समग्र ई केवाईसी के लिए कार्य योजना बनाएं। इसके लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 15 जून तक शिविर लगाए। तथा ई केवाईसी का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण करें। इस शिविर में फूड विभाग एवं राजस्व विभाग एक साथ मिलकर काम करें। ब्लॉक वाइज शेड्यूल बनाएं। ईकेवाईसी में जो कार्य नहीं करें इसके विरुद्ध कार्यवाही करें। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन पीएम आवास वेरिफिकेशन का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण करें। इसके लिए सीईओ जनपद शेड्यूल बनाएं। कहीं पर भी वेरिफिकेशन के कार्य में पेंडेंसी न रखें। इसके साथ ही नवीन पीएम आवास की सूची कार्यालय के बाहर भी चस्पा करें। लोक सेवा प्रबंधन को निर्देशित किया की सभी एसडीएम एवं तहसील कार्यालय में ई ऑफिस कार्यप्रणाली शुरू करने हेतु कार्य योजना बनाएं। तहसीलदार और एसडीएम आरसीएमएस पर प्रकरण लंबित न रखें। इन प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करें। ऐसे सभी प्रकरणों की सूची बनाकर लगातार सुनवाई करें। एसडीम गरोठ को निर्देश दिए कि, आकस्मिक वर्षा से पान की खेती में जिन किसानों को नुकसान हुआ है, इस हेतु पान की खेती का सर्वे करके आरबीसी 6(4) के तहत राहत प्रदान करें। नजूल के प्रकरणों की समय सीमा तय कर, सभी प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करें। नजूल के प्रकरणों में जवाब स्पष्ट रूप से लिखें। सीमांकन के प्रकरणों का प्रतिदिन निराकरण करें। साथ ही प्रतिदिन कितनो का निराकरण किए रिपोर्ट भेजे। एक पेड मां के नाम अभियान की तैयारी के लिए आवश्यक तैयारियां पूर्ण करें। आयुष विभाग आगामी 21 जून को होने वाले योग दिवस कार्यक्रम के लिए आवश्यक तैयारी करें एवं इसका व्यापक प्रचार प्रसार करें। उपार्जन के सभी कार्य, बिल, बिल, भुगतान कार्य समय सीमा पूर्ण करें।

असामाजिक तत्वों व विधर्मी लोगों पर निगरानी कर सख्त कार्यवाही की जाए

विश्व हिन्दू परिषद ने ज्ञापन देकर पुलिस अधीक्षक से मांग की

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिन्दू परिषद, मंदसौर द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक के नाम एक ज्ञापन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गौतम सोलंकी को देकर असामाजिक तत्वों व विधर्मी लोगों पर निगरानी कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा कि मुस्लिम समाज द्वारा 07 जून को बकरा ईद मनाई जायेगी। मुस्लिम समाज द्वारा बकरा ईद पर बकरों की बलि दी जाती है। कुछ विधर्मीयो द्वारा मंदसौर जिले के सोहार्द पूर्ण व शांति पूर्ण वातावरण को बिगाडने की नियत से कि एक धर्म विशेष के लोग उत्तेजित हो जावे एवं शहर में अशांति का माहौल

बचे हुए अपशिष्टपदार्थों कों सार्वजनिक स्थानों पर फेंक दिया जाता है जिससे निर्मित किया जा सके। हमें यह भी जानकारी प्राप्त हुई है कि बकरा ईद की आड में केडो व गायों को काटा जाने की संभावना है जिसे रोका जाना अत्यंत आवश्यकता है। अन्यथा शहर व जिले की फिजा बिगड सकती है। पूर्व में भी इस प्रकार की घटना मंदसौर जिले व शहर में हो चुकी है जिससे कि पूरे जिले व शहर में तनावपूर्ण स्थिति निर्मित हुई थी। ज्ञापन में मांग की कि पूर्व में हुई घटनाओं को ध्यान में रखते हुए ऐसी घटना की पुनरावृति न हो इसलिए उचित व सुरक्षात्मक कदम उठाए जाना नितांत आवश्यक है। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के डॉ. प्रवीणसिंह मण्डलोई, हेमन्त बुलचंदानी, अनिल धनगर, कन्हैयालाल सोनगरा, हरिश ठ्लर, प्रतीक व्यास, अमरदीप कुमावत, मनीष भाटी, लक्की गोसर, कुनाल देवडा आदि उपस्थित थे।

महेश जयंती पर माहेश्वरी महिला क्रिकेट टूर्नामेंट सम्पन्न

महेश जयंती पर्व पर प्रतिदिन हो रहे है प्रतियोगिताओं के आयोजन

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। इस वर्ष भी महेश जयंती पर्व के दौरान चतुर्थ आयोजन मे 1 जून व 2 जून को महेश मेला लगाया गया।माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष अजय लड्ढ व प्रचार मंत्री सोनू गुप्ता द्वारा बताया गया कि इस वर्ष हो रहे महेश जयंती के पर्व को धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।और चार दिवसीय महेश नवमी व जयंती के कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें महेश मेला व प्रतियोगिताओं में लकी गेम, नंबर रेस, ग्लास गिराओ, रिंग डालो, बैलून गेम, मोमबत्ती गेम, कपल गेम, पार्सल पास, माहेश्वरी जीनियस, 1 मिनट बॉल डालो, सिक्के के घर पहुंचाओ, कलर रेस, चेयर रेस, माहेश्वरी टीम की अंताक्षरी व भजन संध्या का आयोजन भी किया गया! महेश जयंती पर्व पर बुधवार 4 जून को प्रात: 9:00 बजे वाहन रैली और शाम को 4:00 बजे चल समारोह का आयोजन भी किया जाएगा! चल समारोह एवं शोभा यात्रा के दौरान भगवान महेश नगर भ्रमण करेंगे।एवं इसमें पुरुष सफेद पजामा एवं महिलाएं केसरिया व लाल साडी में दिखेगी।माहेश्वरी महिला क्रिकेट टूनारमेंट का आयोजन हुआ। जिसमें 06 ओवर के मैच मे सात टीमों ने भाग लिया।इस अवसर पर महेश मेले के दौरान माहेश्वरी युवा संगठन के सचिव कुलदीप सोनी, कोषाध्यक्ष सी. ए. नितेश भदादा, उपाध्यक्ष ऋषभ मंडोवरा, संगठन मंत्री, सहसचिव प्रत्यक्ष मालू, प्रचार मंत्री सोनू गुप्ता निमेष पसारी खेल मंत्री अनुजीत बजाज, विनायक माहेश्वरी, अनूप बाल्दी माहेश्वरी, सांस्कृतिक मंत्री सी.ए.रोहन सोमानी आयुष छापरवाल, अंकित माहेश्वरी सहित माहेश्वरी युवा संगठन के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

ब्रह्मलीन पूज्य गुरुदेव पंडित सदाशिव जी त्रिवेदी का स्मृति पर्व मनाया

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। महामोह रूपी अंधकार में जिनके वचन सूर्य की किरणों के समान शिष्य के जीवन के तमस का नाश करे। ऐसे हमारे पूज्य गुरुदेव द्वारा स्थापित महादेव मंडल के सदस्य सपरिवार गुरुदेव के स्मृति पर्व के उपलक्ष्य में दिनांक 1 व 2 जून को दो दिवसीय महेश्वर व ओंकारेश्वर धार्मिक यात्रा पर रहा।

सभी सदस्यों ने महेश्वर में नर्मदा स्नान कर मां नर्मदा को भव्य विशाल चुनरी अर्पित कर गुरुदेव को श्रद्धांजलि प्रदान करी। ओंकारेश्वर में दीपदान , तर्पण , अर्चन तथा रुद्राभिषेक कर वैदिक अनुष्ठान पंडित श्री संदीप जी उपाध्याय के आचार्यत्व में एवं मानस कथा मर्मज्ञ पंडित श्री दशरथ भाई जी के सहयोग से संपन्न हुआ. इस अवसर पर पंडित मुकेश जी, पंडित भगवतीलालजी, पं. यदुकांत जी, पं. राजकुमार जी, पं. गोपाल जी , पं. दिनेश जी, पं. शैलेन्द्र जी, पं. संतोष जी, पं. प्रदीप जी, पं. मदुकिशोर जी, द्वारा गुरुदेव का पावन स्मरण किया गया। जानकारी मंडल अध्यक्ष पंडित रविन्द्र जी व्यास द्वारा दी गई।

हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा-2025 के आवेदन-पत्र भरने की तिथि 08 जून तक बढ़ी

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा वर्ष 2025 की हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी सर्टिफिकेट द्वितीय परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आवेदन-पत्र भरने की तिथि 8 जून तक बढा दी गयी है। पहले यह तिथि 31 मई 2025 तक निर्धारित की गयी थी।सचिव माध्यमिक शिक्षा मण्डल ने बताया कि हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा में केवल अनुत्तीर्ण विषयों के लिए 8 जून 2025 की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन करने का अंतिम अवसर प्रदान किया जा रहा है। ऑनलाइन परीक्षा आवेदन भरने के लिये पूर्व में जारी किये गये निर्देश यथावत लागू रहेंगे।

समिता बहन का व्यक्तित्व दिव्य गुणों से आलोकित रहा, वे अध्यात्म की आधारशीला थी

चतुर्थ पुण्यतिथि पर स्नेहांजलि कार्यक्रम संपन्न

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी समिता बहन की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर विश्व सद्भावना सरोवर परिसर में स्नेहांजलि कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की इंदौर झोन की मुख्य प्रशासिका हेमलता बहन आत्म कल्याण भवन मंदसौर केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी उषा बहन तथा नगर के वरिष्ठसमाजसेवी गुरु चरण बग्गा वरिष्ठपत्रकार डॉ.घनश्याम बटवाल ब्रजेश जोशी, सोमिल नाहटा, शिक्षा विद रमेश चंद्र चंद्रे राजाराम तंवर डॉ. रविंद्र पांडे सत्येंद्र सिंह सोम आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समिता बहन जी की मंदसौर में 27 वर्षों की सेवा और साधना का उल्लेख किया और श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

इंदौर झोन की मुख्य प्रशासिका हेमलता बहन ने कहा कि समिता बहन

का व्यक्तित्व दिव्य गुणों से आलोकित था। उन्होंने अपनी श्रेष्ठ साधना से आध्यात्मिक उपलब्धि के साथ ही बेहतर प्रबंधन के क्षेत्र में भी सर्वोत्कृष्ट भूमिका निभाई। बीके उषा बहन ने कहा कि समिता बहन के योगदान को कभी कोई भूला नहीं सकता। मंदसौर में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के परिवार को इतना वृहद रूप उन्होंने दिया है जो उन्हें हमेशा हमारे बीच में जीवंत रखेगा। वरिष्ठ समाजसेवी गुरुचरण बग्गा ने कहा कि समिता बहन ने धर्म और अध्यात्म में रुचि रखने वाले अनेकों महानुभावों को ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से जोडा। कोई क्षेत्र ऐसा शेष नहीं जिनके प्रतिनिधि राजयोग साधना केंद्र से ना जुडे हों। वरिष्ठ पत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल ने कहा कि सविता बहन जी की प्रेरणा से हमें माउंट आबू में मीडिया कांफ्रेंस में सम्मिलित होने का अवसर मिला था। वास्तव में उनके समर्पण और कर्मठता से इस मिशन को बहुत विस्तार मिला है। शिक्षा विद रमेश चंद्र चंद्रे ने कहा कि समिता बहन एक ऐसी अध्यात्मिक विभूति थी कि उनके संपर्क में जो भी आया उनके जीवन पर बडा ही सकारात्मक प्रभाव पडा। वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी ने कहा कि वे आध्यात्म की आधारशीला थीं। उन्होंने सदैव साधकों को राजयोग से जुडने को प्रेरित किया। उनसे प्रेरणा लेकर अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया। श्री जोशी ने समिता बहन के व्यक्तित्व पर केंद्रित रचना भी प्रस्तुत की। सोमिल नाहटा ने कहा कि उनका जीवन अत्यंत प्रेरणादायी रहा है। ब्रह्माकुमारी मिशन को इस क्षेत्र में जन-जन तक पहुंचने में उनकी भूमिका श्रेष्ठतम रही। बीके हेमा बहन ने कहा कि मंदसौर में विश्व सद्भावना सरोवर का निर्माण समिता बहन का एक सपना था जो उन्होंने आरंभ किया इसे पूरा करना हम सबका कर्तव्य है। स्नेहांजलि कार्यक्रम में सर्व श्री राजाराम तंवर डॉ रविंद्र पांडे, सत्येंद्र सिंह सोम, श्यामा बहन तथा रतलाम इंदौर से आई ब्रह्मकुमारी बहनों रतलाम से सविता दीदी जावरा से सावित्री दीदी, सीतामऊ से कृष्णा दीदी ने भी संबोधित किया। संचालन हेमलता दीदी आभार श्यामा दीदी ने माना। अंत में सभी ने उनकी तस्वीर के समक्ष माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि समर्पित की।

कालिदास प्रसंग में विद्यार्थियों के लिए श्लोक पाठ और भाषण प्रतियोगिता का भी होगा आयोजन

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन संस्कृति विभाग मप्र शासन व जिला प्रशासन के सहयोग से आगामी 26 ओर 27 जून को नगर में महाविद्यालय परिसर स्थित कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम में कालिदास प्रसंग का आयोजन होने जा रहा है। अकादमी के निदेशक डॉ. गोविंद गंधे ने बताया कि विद्यार्थियों को कालिदास प्रसंग से जोडने के उद्देश्य से संस्कृत श्लोक पाठ और भाषण प्रतियोगिता विद्यालय स्तर तथा नगर स्तर पर संपन्न होगी। समस्त शासकीय एवं और शासकीय विद्यालयों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। अपने बताया कि विद्यालय स्तर पर चयनित विद्यार्थी नगर स्तर पर सम्मिलित हो सकेंगे।प्रत्येक स्तर पर प्रथम द्वितीय तृतीय तथा 10-10 प्रोत्साहन प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता में सम्मिलित समस्त प्रतिभागियों को कालिदास संस्कृत अकादमी द्वारा सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे समस्त स्तर पर छात्र-छात्राओं को आधिकारिक संख्या में प्रेरित करने के लिए संस्था प्रमुख एवं संस्कृत शिक्षक प्रतियोगिता संयोजक को अकादमी द्वारा सम्मानित कर प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। मंदसौर नगर से बाहर से आने वाले चयनित प्रतिभागियों एवं प्रभारी शिक्षकों को वास्तविक मार्ग बस रेल सामान्य श्रेणी के किराए का भुगतान किया जाएगा। नगर स्तर पर चयनित प्रतिभागियों की समारोह में प्रस्तुति के संबंध में सूचना पृथक से प्रदान की जाएगी। डॉ. गंधे ने बताया कि पुरस्कार वितरण की तिथि स्थान आदि की सूचना पृथक से दी जाएगी। श्लोक पाठ हेतु वाद्य यंत्रों का उपयोग स्वैच्छिक होगा श्लोकपाठ प्रतियोगिता में उच्चारण, लय गति विराम आदि को महत्वपूर्ण माना जाएगा। प्रत्येक प्रतिभागी को श्लोक पाठ हेतु निर्धारित श्लोक का पाठ करने पर ही मूल्यांकन हेतु मान्य किया जाएगा। भाषण प्रतियोगिता का विषय है 'मालवा के गौरव महाकवि कालिदास' भाषण प्रति.में विषय वस्तु प्रस्तुति तथा श्रोताओं पर समग्र प्रभाव का आकलन किया जाएगा। भाषण प्रतियोगिता में किसी धर्म जाति लिंग आदि पर टिप्पणी नहीं की जाएगी। निर्णायक मंडल में तीन निर्णायक होंगे तीनों के योग के अनुसार वरीयता निर्धारित की जाएगी। इसी प्रकार महाविद्यालय स्तर पर भी यह प्रतियोगिताएं होंगी। यह जानकारी कालिदास प्रसंग के स्थानीय संयोजक ब्रजेश जोशी ने दी है।

एनएएफएलडी का स्क्रीनिंग अभियान जिले में प्रारंभ

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वस्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया की कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में डॉ आर के द्विवेदी नोडल अधिकारी एनसीडी द्वारा स्वस्थ्य यकृत मिशन एनएएफएलडी (नोन एल्कोहोलिक फेट्टी लीवर डाईसिसेस) के बारे में जिले के समस्त जिला अधिकारीयों को अवगत कराया। स्वस्थ्य यकृत मिशन के अंतर्गत एनएएफएलडी की स्क्रीनिंग 1 जून 2025 से जिले के समस्त ग्रामों में प्रारंभ किया गया है। अभियान के अंतर्गत जिले की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में एनएएफएलडी की आशा कार्यकर्ता, ए.एन.एम, सीएचओ के द्वारा 30 से 65 वर्ष तक की आयु के महिलाओं एवं पुरुषो की स्क्रीनिंग कमर की माप , बी.एम.आई की जॉच की जा रही है। स्वास्थ्य केन्द्रो से चिन्हित एनएएफएलडी रोगीयों को जिला चिकित्साालय, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर रैफर कर भेजा जा रहा है तथा मेडिकल आफिसर के द्वारा उनका परीक्षण कर उपचार प्रारंभ किया जा रहा है।

बस दस्तक देने वाला है मानसून

यूपी-एमपी में भारी बारिश की चेतावनी जारी

नई दिल्ली, 03 जून। देश के अधिकतर राज्यों में मानसून ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग (IMD) के अनुसार 2 जून से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। ऐसे में 4 जून तक कई राज्यों में मौसम का बदलाव देखने को मिलेगा। इस दौरान मध्यम से तेज बारिश हो सकती है, वहीं कई इलाकों में तेज आंधी-तूफान आ सकते हैं। आइए जानते है कैसा रहेगा मौसम का हाल...

दिल्ली-यूपी में मौसम का हाल- दिल्ली-एनसीआर में अगले 3 दिनों तक मौसम खराब रहने वाला है। खचऊके अनुसार 3-6 जून तक राजधानी में आंधी, गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। आज शाम को राजधानी में सबसे ज्यादा मौसम बिगडने का अनुमान है। वहीं, यूपी में मौसम विभाग ने कई जिलों में येलो अलर्ट भी जारी किया है। खचऊने यूपी के 45 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की है, इसके साथ ही कुछ जिलों में बिजली भी चमक सकती है।

एमपी के कई जिलों में बारिश की चेतावनी- मध्य प्रदेश में मानसून बस दस्तक देने ही वाला है, उससे पहले प्री-मानसून की बारिश जारी है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश के 39 जिलों में आंधी और बारिश की चेतावनी की है। एमपी में मानसून 7 से 10 जून के बीच प्रदेश में पहुंचेगा। खचऊकी माने तो मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाडा, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, मुरैना, टीकमगढ, छतरपुर, पन्ना, दमोह, सागर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, सीहोर, शाजापुर, देवास, समेत कई जिलों में बारिश की जारी रहेगी।

रोजगार मेले का आयोजन 6 जून को

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला रोजगार अधिकारी द्वारा बताया गया कि 6 जून को रोजगार मेला आयोजित होगा। रोजगार मेला प्रात: 10: 30 से मंदसौर के शासकीय आईटीआई में आयोजित होगा।

मंदसौर
से अहमदाबाद
एसी बस प्रतिदिन रात्रि 08.15बजे
(व्हाया-नीमच, उदयपुर)
जय श्री गणेश ट्रेवल्स
स्थान-महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड, मंदसौर
मो-9407259243, 8871603134

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण -सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी दलौदा जिला मंदसौर स्थित भूखण्ड क्रमांक L-126 जो श्री खुमान सिंह भाटी पिता श्री अमर सिंह भाटी को वर्ष 2006 में आवंटित किया गया था। उक्त भूखण्ड का पट्टाभिलेख दिनांक 06.01.2012 को पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। इनके द्वारा उक्त भूखण्ड का विक्रय श्री कृष्णपाल सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी को कर विक्रय पत्र दिनांक 26.03.2025 को इनके पक्ष में निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भूखण्ड का नामांतरण श्री कृष्णपाल सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी अपने नाम से करवाना चाहते है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण श्री कृष्णपाल सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी के नाम कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत) सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल मंदसौर (मप्र)

कार्यालय नगर परिषद मनासा, जिला-नीमच (म.प्र.)

क्रमांक-1305/ई-टेण्डर/2025 मनासा, दिनांक-02.06.2025

*** निविदा आमंत्रण सूचना ***

सर्व संबंधित को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर परिषद मनासा द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-2026 में निम्नानुसार सामग्री समय-समय पर आवश्यकतानुसार क्रय करने एवं किराये पर लेने हेतु इच्छुक पूर्तिकर्ताओं से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित करती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट website-http//mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

टेण्डर क्रं.	क्रं.	सामग्री का विवरण	अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	सामग्री पूर्ति हेतु समयावधि	निविदा का का क्रम
2025_UAD_427976_1	1	निर्माण मटेरियल सामग्री	10.00 लाख	10000/-	2000/-	वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदाय हेतु	प्रथम आमंत्रण
2025_UAD_427978_1	2	लोहा फेब्रिकेशन मटेरियल सामग्री	10.00 लाख	10000/-	2000/-		
2025_UAD_428005_1	3	जलप्रदाय सामग्री	10.00 लाख	10000/-	2000/-		
2025_UAD_428018_1	4	नवीन मोटर पंप स्टार्टर क्रय	10.00 लाख	10000/-	2000/-		
2025_UAD_428012_1	5	मोटर/पम्प स्टार्टर दुरुस्तीकरण कार्य	05.00 लाख	5000/-	2000/-		

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जाएगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

डॉ. सीमा अजय तिवारी	किशोर जोलान्या	श्रीमती निलिमा मारु	रितेश पाटीदार
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	लोक निर्माण सभापति	मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद मनासा	नगर परिषद मनासा	नगर परिषद मनासा	नगर परिषद मनासा

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in